





Handwritten text in Devanagari script, written on a yellowish-brown background. The text is arranged in two lines, separated by a horizontal line. The top line contains the text "वसुधैव कुटुम्बकम्" (Vasudhaiva Kutumbakam) and the bottom line contains "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" (Om namo bhagavate vasudevaaya). The text is written in a stylized, cursive script.

वसुधैव कुटुम्बकम् (Vasudhaiva Kutumbakam)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय (Om namo bhagavate vasudevaaya)

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

दाव कलापनं गदायाक वदाडानिवदनायक ॥ गदवकिमर्थं वल्लिकाख्यान दिशुशेयोवनमीनं यमिदिनं कशानिमा ॥ गुरु
 निमिर्गंवा अशुभनिमिर्गंवा नकातामि ककिह्मनिमार्थं विह्मयिर्गं ॥ ७ ॥ गयथधवशा हदव दमदायाक किमर्थं दूयायुमर्थं
 वल्लिकादवीया ह्मन अयुर्गंयोवन किह्ममीसानिमासं क्रिये ॥ मदायावयान किह्ममाकिह्म ॥ कामिर्गंमसिया धगुमीय किह्म ॥ ३
 मसिह्म रुयनिर्गं दूवयावसनकसाविष्मयमाव ॥ ॥ गदायायुशु अशुभयगुरुनालि गदायिकाय यावदसिमा ॥
 ७ ॥ यथयकाथकयनिमन धयाददाव गदायायुशु ह्यावधव मीसाववाधकधवनासं यादवसां किह्मयू गयथदूयडाव

क गदानिचिकनाडाधथयान ॥ ॥ कलापयन नगवमिगिना दहन ॥ कमागदानागहा ॥ ७ ॥ यथयानन यगुविनगवस
 अग्निदहन ॥ यथमिददाव गदायिहामवसंयान ॥ ॥ ककनंनव अस्वदायोयिहयत् किमर्थं गदानायाक ॥ ७ ॥ यथमीमा
 दायदासडायाव असाद्यार्थं चिकनायाक ह्मार्थं धवाका गदगुर्गंयहामवव ॥ ॥ कमादवीयायं विर्विकन किंयथाकन
 ॥ अयिहमदाववाहवयमाहय दयानयकिलीनी विधयनाय ॥ ७ ॥ यथमीमा अस्वदाय नटिमयया ह्मनमव दवीयोवम
 धागदवी आयादयकावदव विवकनयानमकधक आवगदायहामववनासं यिकविवकनवादान ह्मय यथाकनमद ॥ यनया

वदन् मित्रमदाय गदाया वयं कथाव गदाया उमान युष्मदीना विधेयाना यानुष्ठानन चाधक धयति निर्मलं गदाया व धदया
 न सवतन ॥ गदमाद गदीर्षं सवतन अमुदह नदि मय माद गदि मदि कन विधेयाना यानि गदाया यथा कार्ये स्यादित न तथा कवि
 श्यामि विधेयौ कथा ॥ ७ ॥ धनं धयति निर्मलं धदमान स वदाव दमादिगारं भाव नदि मय भाव मय धाव याहुता न गायमि
 कभन याय रुयिवधकं गुयु कभन याय धकं असा धाव न नदि मय याहुता न भाव यथा गायमि कभन याय रुयिवधकं कथा
 यथा धुमि कभन याय धकाव धदमान युष्मदीनि नानक ॥ गदमाद यानुष्ठाननायामं न सदाव गदं दह गदानीवदि

न दव मदाव गद न रुयान युष्मदीनि विधेयौ कथा ॥ ७ ॥ धनं धयति निर्मलं धदमान युष्मदीनि स विना यादाव यादमा कन वयाव ध
 मदाव गदायानि वदाव यादाव गद युद म न हाव गदाया क निवदनायानं ददव रु मदा गद नव ध रु मदाव ग यानि स
 दूल याव या उमान युष्मदीनि स कथं सन कथा गाय याय धकां ॥ गदमाद युत्वा गद उदाय स रीयुमान किं विधेय
 कि रुदं रुदं न रुवि शक्ति ॥ युष्मदीन धाव याय कति स ॥ ७ ॥ धनं धयति निर्मलं धदमान युष्मदीनि स गदं दहाव गदादहा
 व स रीयुमान याव धाव रुद युद स ॥ गदि रुद जो गय धकाव गाय कय धिं धक धनं धयति निर्मलं धदमान यादाव यथा ककाव यद यायानि

वायकव॥ ॥ कदुखायो वदना साक्षात् सागता शक्तिं मा आश्रयसि॥ ॐ ॥ यथा यो ज्ञानेर्घथथादाडा वायकं स वदहाव यका
 लाकयानि सकशं साक्षात् सागता वदना साक्षात् सागता शक्तिं मा आश्रयसि॥ ॐ ॥ यथा यो ज्ञानेर्घथथादाडा वायकं स वदहाव यका
 आद॥ अथ किं न जानासि उद्यान रुमि यत्र यं गता शक्तिं कविश्रासि॥ ॐ ॥ साक्षात् सागता शक्तिं मा आश्रयसि॥ ॐ ॥ यथा यो ज्ञानेर्घथथादाडा वायकं स वदहाव यका
 वसार्थं शुभिसन सासि यायधकं धर्मि महाकवधद वासादा यानि सन मिजस कवधद उद्यान युक्ती लितिसन कथा धर्मदाव
 सादायानि साध्यायधकं मिजसन साध्यायधकं दूयायधकं॥ ॥ अथ यो मा सो धनिवदिक ॥ आह्लादहि॥ ॐ ॥ यथा यो ज्ञानेर्घथथादाडा वायकं स वदहाव यका

जा आह्लादयका गुण दहाव ययमां सतयानि सकवसनं साक्षात् सागता शक्तिं मा आश्रयसि॥ ॐ ॥ यथा यो ज्ञानेर्घथथादाडा वायकं स वदहाव यका
 ॥ साक्षात् सागता शक्तिं मा आश्रयसि॥ ॐ ॥ यथा यो ज्ञानेर्घथथादाडा वायकं स वदहाव यका
 साक्षात् सागता शक्तिं मा आश्रयसि॥ ॐ ॥ यथा यो ज्ञानेर्घथथादाडा वायकं स वदहाव यका
 कदवदहाव साक्षात् सागता शक्तिं मा आश्रयसि॥ ॐ ॥ यथा यो ज्ञानेर्घथथादाडा वायकं स वदहाव यका
 साध्यायधकं मिजसन साध्यायधकं दूयायधकं॥ ॥ अथ यो मा सो धनिवदिक ॥ आह्लादहि॥ ॐ ॥ यथा यो ज्ञानेर्घथथादाडा वायकं स वदहाव यका

महा दक्षिणदिशा माया यश्चिमादिमा सनायति डर्कदिशा सर्वयो वक्षः नास्ति ॥ ॐ ॥ गायत्र्या नक्षत्रमा दृष्टदिशा स राजा
दक्षिणदिशा स यवमानयति यश्चिमादिमा स सेनायकियति डर्कदिशा स सर्वेषु यजालाकानि यश्चानन राजानमाह
दयक ॥ ॥ स्विताय यमा स महीक ॥ ॐ ॥ सकृत् सनं गात्राय कल ॥ ॥ वाकाय न यथाह ॥ यजुषा न सदा
वमादं यथायिक बुधितु न सक्ता कि स मया दनुयासि ॥ ॐ ॥ यत वा व दर्व वा का आया दायक ॥ यजुषादिमा स ववादाय य
कयथा क दाय स किमूर्त मद्रस हि रुकि यूर्त सवन कं दानसा द्यनि स कर्ष दनुया य धर्क ॥ ॥ तमा मदा वमादं सर्वकुना

दृष्टा सकासि रं मदावमादका लाह गदगुत्वा डहा यद सदि सैवावमाह मदा स दक याति ॥ ॐ ॥ धमदा वमादायति निम्न
सनं समस्तलाकयति स कर्ष ददाव मदा सैमा सदा स समस्तलाकया मदा का याव ददाव दमादिग संसा याव कव न दनदा व ॥
मदा वायु ४ यवर्कनं तमावका वश्च वदकि डर्कदि सैमा जाति यति कदि संय ययति ॥ ॐ ॥ धयति निम्न दमावधानन मदा वायु कव
धद रुसाव व अथवा व कयक दूर्तवन म दय कव व यश्च रुसाडा याव धव व स गुगुदिमा स वाजाधान डायु डिमान धमदा वरा
दायान नर्क व सवनं ॥ ॥ वाजा स संयवनन गदुकि ४ यथा युक्ति लहा यमि दिहु यिक ४ याव ल्व गृह्णाति ताव न्ना म ४ अथ

यथा अथमायुक्त सर्वज्ञतादिनिर्वाणः ॥ यथाथमवादायुदिमान् यमदाववादान्तं वस्यदादाव यथाग्रहान्तकं यूनवाद त्वदि
शून्यकवादाव धाववादान् यवयधमदाववादा वादावकादाव डायरुत कावत्थवयस अथववादायधक धायाव सउग
याव विंरतायादाव धमदाववादाहिलिभयाह वने ॥ ॥ किंविद्वंशक दमितयदावादा तयधमि किंविद्वद्वंशक महाद्वंश ॥
॥ सर्वज्ञतामतारुद्रं कृत्वा यमिनिवृत्ता ॥ ॥ किंविद्व धमदाववादायनिभन कायिनवदाव यानं हय वातकन यवयवादा
मयन धवयस कायिनवदाव यान सुविनंवाकागा ह्यवदाव समरुद्रतयानिभनं ममारुगयादाव वीदावय ॥ ॥ नदिम

या अथमायुक्त अथमवीनयविहाइसगायहयमिसका महाद्वंशक सर्ववाक्यकृत् ॥ ॥ यथथयानि सकर्वंवीदावसंवी धनदिम
ह अथमायुक्त नम्रानं महाववादाया नृयकावमाव सउगाकदविदाव सवज्ञयाव धधुयोदयवादा सउनद्रयक महादावि
ताहोत मनुष्यासंरुव मदथासथनक एत ॥ ॥ सनवा मनुका वाजावाक ककावाका कस्यकहृद्रुगय इधयथयानि
क ॥ सननसमाहृयं स्यावकनारु ॥ ॥ यथथवादा सनद्रयक एदाव वाजाववीसं सनद्रुद्रकाकावत धनंवीवाका
सकहृद्रुसिमाया कास सउमानकादावयाव जायावयान धधवीनन सनं सवयागुव यकनादयक खजायाडावान ॥ ॥

नदायकाहुविर्त लनयानियमव्यययानिययागुमिहामि ॥ सवननयानियमव्ययमाभा यानियंनसविशुभकथं प्रमि
यद्यम ॐ ॥ धयवम गजान ननयाहवनभर दभन अहविर्तन यानियाग लेखकायावकनवित्र लंयवनअह
विर्तन ॐ आशया धनलेखगनदयिडाधका अहविर्तनलेखका धनलेखयदग अयायधका ॥ ॥ सनावायगजा
सनाया हवनवद्विभ यमा ॥ यानियमव्ययमाभायागमिभ ॥ यकागत कविद्वयभवनदिसदृशुत्वा यत्वा यः ॥ त्वीयेनैवगत
॥ ॐ ॥ सनैवय गजायाहवन दभदायाका हनदायधगुभी गत्यकहकासिमायाकास विष्कहन हलयाययात ऊर्जर्त

यकायवनवर्क धनयदहव रंयकायवन यप्रलेखकायवनन अनन काल्पनन सवनदिया सवताय धगदददा
व दमा ॥ सनददाभसायवन ॥ ॥ कदमिभ सनुकायान हकनलीयसमीयमद्वय अयगयाकि ॥ कयसधवनी
यानिष्ठागि ॐ ॥ धयवद्वयवन मदासहृदजन धसवनदिधकाया यमियागिभम कवयदधयहगुभीद
व धगुभीकलम अयसगयानिभ यीवसंका मयुमयमाददायान ॥ ॥ साप्रयसमासाहृद आकाजिर्तमान
यका मनुयागंमकनागत ॥ ॐ ॥ धययानन अयसगगतयानिभन धमानययदाव सवकल हमानव धनगत

अगममद्वयस गच्छद्वयसाधकं हनुयुगगर्भदाया ॥ ॥ सनावाय ॥ सूर्ययुगावादा रुवनादावासाहं ॥ ० ॥ सनं
 धम दवीयानिष्क ददवीगतयानि ऊरुयुगवादाया दमंजयसाधकं ॥ ॥ सादवाय ॥ कथंमावात ॥ ० ॥ यनवा
 वदवीगतयनीसन गच्छधनद्वयसाधकं ॥ ॥ सनावाय ॥ सनावायनायदानि इवकवतवादाहं सर्वजनंयुवावाका
 वाकागमयानित्युकाइयकवृक्षनयनिष्ठुमि वाकाहवाकुवाधेनानियमवयमाताहवागकाइहं ॥ ० ॥ सनंधाव धमसा
 यादयवा सननदयवावदय दानिनायिन सननदयवावदहवदाव यजायानिसकथंवीदाव वना वाकावलिसेंऊह
 ॥ ॥

॥ ॥

॥ ॥

॥ ॥

काकावाय धमवाका जूखकवृक्षसिमाया कागवानुनि धवाकाया हाविकनंयासवाधकधायव ददाव लंयकायध
 कवृक्षया ॥ ॥ सननादिमदवाकाहं दवाका ॥ कदकदंमसकाया न दवीदमीलंयाकं ॥ ० ॥ धयुवी सननदीयाग
 ददवाव धनजवया धनधनजमाय दवीगत दलयायानिदमीन ऊकवाका ॥ ॥ दवीयसोवा सननदीवांयिका हलयाधि
 त्वा वलिमं गवादवीगतस्य द्यादवदनादिकं कनामि ॥ ० ॥ धदवीगतदमीनवासी दवीयायुसावन सनन सननादि
 यादंवायादाव वन धय्यावगयादाव हनाहमासतं दवीगतया यादवादमीनायान ॥ ॥ दवीयिंवनमावाधियिशासि ॥

ॐ ॥ हृदयगान हृदयानिभन गुणवत्ता गाना धर्मदसावेष्टादाधकां ॥ गजयमरसावाय ॥ मानवतज्ञानासिर्तां स
 वीदावेददृष्टयमायनार्थं श्रीवसंधावावगमावधायि ॥ ॐ ॥ हमावेतव हमान्ना हनर्हमसिभ समस्तुदाविद दृष्टमा
 यकायुष्यने श्रीवसंधावावदवीया वनधर्मजमिसं आवाधनायादाडायादा ॥ सतउवाय ॥ सत्यमवदवीयालममासि
 हमावेतं यमिददवीवर्तं वनमावधायि ॥ ॐ ॥ सतं दवीगलयाकां ॥ यथात हृदयगान सत्यमसविष्ठाकमयुवा
 हृदयवी यममयुवी हृदयानिभनकर्तुं जमनसधुगीधर्मदत अतिरायकां कर्तुंयुवीधर्म यसादयोसंविष्ठाकन

५१

यगुवतधर्मनंदनकाय ॥ साह ॥ हृदयगानाधयमायामि धृयमाकावत् ॥ सादयदृष्टाहृदयिया सवेयीकमसं
 यथाधृयदिय गमनेवयादिसादि कर्मावकायि ॥ ॐ ॥ दवीगानयानिसं आयादयकासविष्ठाक हनमनसधुगीवत
 धर्मदत गानासा ॥ हृदयगाना हनमनस ॥ हृदयगाना गुणवत्ता गाना ॥ धृयगीजमिसनयवयादाववियधकां
 हसन हहाहृन यावत्तुववधायसा तावत्तुववसा सादव वनमायाकल्लयका निवाककू ससकं यिममय यादाडा
 स्नान धृय दिय वत निवश ॥ हृदयादि सदाव तावमावकल ॥ ॥ यनवायिसवदवगानाहसनसादितां सवेनामः

यिष्ठा ४ यथा वक्रधर सागर न श्याक वासि कथा कारि विष्ठा ॥ ॐ ॥ यूनवाय यथालागताव दवी गत यति स करं सतस
 दिनं धगुभी पीव संश्रवा दवीया वक्रधरोदन जेथा गश्च वक्रधर सागल कथा गतं ज्ञा आदय कर कथा धथ मिश्र सनंथ
 युधयोददा ॥ ॥ यूनवाया दसिक ४ मानव कवे वं क विष्ठा सि ॥ ॐ हं मय मलुल स्र गजा यति नि यथा मया दसिक न
 था क विष्ठा ॥ ॐ ॥ यूनवाय दवी गत यति सं ज्ञा आदय कर ह मानव मनश्च सुनंथ यथा व ज्ञा मलुल मलुल गजा यति
 कीन् दयानि स कर सनं गथ थन दयति सन कदा यथ दृष्टयति सन वक्रधरोदन यात कदा व यात कि व ॥ ॥ महा

लक्ष्मी प्रार नाथं धन धन गवले वृथा वक्रना गामि यन ॥ एवं म द गथा मि यथा वनं सं दृष्टे को यथा व नाथं दयिता दृमया यिष्ठा दि
 कं दायि नं रं ॥ ॐ ॥ यथा गुरो धरोदन दयानि मि स्थिं धयसा गदा लक्ष्मी दय क यात नि मि स्थि न कि सि वा सि दृष्टा दि वृडा
 हा सम सं द युध का धकं थथ द मि सन कदा हवं यूनवा द धगुभी वक्रधरो सं दृष्टे धन काव या मना यात क यात नि मि स्थि
 धवी दृष्ट गहा या मयं मधि सम सं वि व ॥ ॥ यूनवाय सन नरु द न स सा य स्मृति गथा वति ॥ नया सि न या गत वि व
 य सर्व दृष्टे ला दवी गत स कथा ॥ सृथ यला या जा समी यं गत ॥ महा जा वि दृष्ट क व सि र्ग दृष्ट ग्रा ॥ ॥ वि व ॥ ॐ ॥ यथा व

सद्वीरानयनिसन यासनवयकुवाविल धववस यासनयायकदावतस धसन गजावसन थथ गजावसन यासनम
 यात यासनयातकयात विकारयकुवा सकर्वायाव जादाव दवीरानयनि सकर्वायकाव यादाव सययसावाजाया
 समियसाविदावय थकगजावकुवकदृक्मिमायाका सदादावयाद सकावनायात ॥ गजावाय ॥ किंवावदिर्नविर्न
 ॥ ॐ गजावनायात हसन दयानिमिर्कि थवकाविर्नरुनवादायक ॥ सनावाय ॥ हसनमहावाजायानियमवयता
 माना अरुगदवीरानदृष्ट विवायीनंशादवीरानकिंकावनन विवासिथशावनगवाया शक्ति संहाविता ॥ ॐ ॥ सननधात

दमदावाजा दमसा दलयालयातलंयकाल वदावयस अरुतंदवीरानयनीयदा थयनियदाव विवालययादा ददवीरानय
 नि दलयावयति दयानिमिर्किन विवाययादतविजादा धर्कंधाया धुनरीययावागानयनिसमधावयात ॥ दमा
 नवकुनयागकशा ॐ मययसवागानयनिसनधाव गानतडायाधर्कंधाव ॥ सनावाय ॥ नजानासिदवीरान सय्या
 दयवाजावुवनादागताह ॥ ॐ ॥ किनधाया कतदुर्नमसिया ददवीरान अरुयोदयवाया दसं गजावनिर्ग
 ऊर्ध्वदायाधकाधर्क ॥ दवीवाय ॥ दमानवकिंसीह मिनागकशा मयाक ॥ ॐ ॥ दवीयनीसनधाव ॥ दमनक

दूयाकारनं दूधनवयाधकं मनुष्याध्यासमयधकं थथध्वरं ॥ ममदुदकार्यमागता ॥ ॐ ॥ जनवया लेख
 कारवयाधकध्याया ॥ ॥ नंदनकवयोवसाधवावर्गसर्वोयागवाला मावाधिवृद्धा मयाकंदवीगजसमाशिरा
 यितं समाधिप्रययासि ॥ ॐ ॥ धनंभी सकारं जयागालयनिसन ॥ थवसंधावादवीया युगधमी धवलयाववा
 दावदाडा जनंधाया ददवीगज कमनसं जमागुवि स्वगदन अगि ॥ श्रीदमा जगं धगुधमीदनक सविज्ञायमा
 धकंधाया थथध्वरं जनं दवीगजवनायं धगुवीधमीददाव डाया ॥ ॥ ननदुनुनाविर्वाविर्गुरुवकि ॥ सदाया

या १

कक्षमभा ॥ ममया प्रताथे रक्तयिक्तकादकदाविशुद्धित अशुकमययासिथी शुद्धसिद्धयुक्ता गजदयध्याधिनम ॥ ॐ
 ॐ धगुयातिमिस्तितधका डविर्गुरुद्व दमदावाडा दलयास्कक्षमभा ॥ धमिदलध्वमी जी जनयासनयाययाकवि
 वयिक्तकमध धमि दद लेख धममगुनकनादिव धमकधं जनमिनक वदया धनत्वज्ञायाडा सनं धगुवि
 वयधुकासकारं गजायानदाहाययवि ॥ ॐ ॥ गजायादमदायायययध्वमी वसंधावावक यत्वा मयि
 नजनामि त्यक्तामवात्रयानकधु स्वयं दृष्ट मकायिक्त ॥ ॐ ॥ धमविर्गमी रजनमागुदयकाव दसनधकं

मददशायाये श्रीवसत्रागदवीवृत्तधर्मकथायागुत्तु जगत् संदतमनदा । येदयंमसिथाधर्मधर्मकथाया
व मनेवियागुत्तुनयानवयकुकासमरुं तदाव मदायागदशाया ॥ ॥ मदनेयानवयकुकासमरुं मनेवियागुत्तु
दृष्टादतयाध्याने ममनदुवत मत्मादुकावित्ताधा ॥ ॥ धनवी धवयकुका मत्मानु कुकावयाव मदासकुका ॥ ॥
व दृष्टकुकायादव मदासमदागुत्तुददयावधाय दमन सुमागुतीकुवतम कुवत ॥ ॥ दृष्टादतयाध्याने म
तावदावागदुवतकुवतदवी दमनायध्याध्यावलाय ममाकिरायदानकुकायाव ॥ ॥ ॥ दृष्टादतयाध्याने म

[illegible]

रगञ्जुनगयवर्क ॥ ० ॥ राजादाय ॥ मुययुहतिनवान्याश्चाचारवति ननगह्यित सनयमृत्वा राजा सदिकद्वयमागत
यति मत्तलाननगरसमिधयुक्त ॥ ॐ ॥ राजानमुद्गादयकव सनयान दशन आडाहुडयाश्चाचारवर्क ॥ थथजुआद
यकाडा सनयमृत्वन राजा सदिकन निष्कसनं सडगयाडा थवराय विहाविष्कान मत्तावनथडानगरस सनियश्चनक
रडाव ॥ ० ॥ मत्तामृत्वायुहति थोवडना राजायत्यागमंथत्वा अमात्ययुहतिथोवडनं तगराविदिमागत्तामहा
सन्तनमहमासत्तावनयादवकुना दिक्कटत्वा राजकुवमानिक ॥ ॐ ॥ थनंवि यरमानसमयनि यजायनिसकवरा

नं राजाविहाडाथकवाकमाश ॥ थथवानतायाव यरमानत्त्यादिं सकर्षनं नगरवयिहावयाव राजा रमावडाव
महासक्तावयाहाव तमक्तावयाहाडा महामाश्याहाव राजकुहमहय ॥ ० ॥ यश्चाकमादयययादप्रक्षालन रमयरा
जाहुयिनहसनयादयकावयत्वं ॥ ॐ ॥ थनरी राजाया यादयकावयययन थववरा राजानमुद्गादयकव दशा
न हयांहुननि युतिसिडाथकं थार थथथयाव सनयानि युतिसिक थनरी राजाया यादयकाव यान ॥ ० ॥ राजा
इकर्थराजाविमुक्तारकि राजाहुनं लययित्वा यथमसंभन यकावयित्वा यथादा राजायुक्तानिक ॥ ॐ ॥ थवर

मय्यमानसमयनि धिधित्वहून अजिभगजा धविता र्वांमइथाया राजायाश्चानइमाया हयांशनयाति अमिसिचक
 व अथातधवयादयुक्तावनयातधक ॥ ० ॥ मदनैतव राजागुदयमिष्टमूनसमयकादाय यतिहृत्यवंकता कविदि
 नाकवयययासासशा ॐ ॥ धर्मशीराजा राजगुदश आदाविष्कन राजायात ज्ञनयान समरुंकायकर थयुकायध १२
 नकाडा राजानदिनडाहमवासंथान ॥ ० ॥ यश्चवमदिनासमागत ॥ ॐ ॥ यनवाधधर्मशी धगुशीवलेधमोदन
 युदिनइयाव वय ॥ ० ॥ राजावाच ॥ अमाकमक्रिय ययुक्तिमहामरंमर्त शीवसमंरावनमायाधयासः सवेयीनमय

मंडीकवशा ॐ ॥ गधर्मशी राजनजाश्चदयकर हमाकि हयुक्तिमन अकि समदिवयाज्ञान ॥ वरंकागदवीयावकध
 मीदम थयाकसमरुं यिकमयनतायराकिडाधक ॥ ० ॥ हृत्याकः हिसक्तिमिहक ॥ ॐ ॥ धर्मराजानधयागु
 शहदाव मक्रियनिभान समरुंकायरायकर ॥ ० ॥ अथराहुडयाश्चय करनाय सनयवदिनेश सगससूजाकलेह
 ता कात्यायवकुनमंहाद्य शीशनयुक्त हूतिनामसुयिर्न ॥ यथिराजानधयागुशी हदाव मक्रियनिभान ॥
 ॐ ॥ धनवि राजान उयाश्चादा यायशाकमर्थन सन राजानवदहक धमराजन सनहृत्तकले यायधूर्तशी कात्यायवकुधकावा

या कस्ययवमुनमियकाव शोसनयुक्तदयाश्चाद्दकाव नामद्वयम् ॥ ॥ गमथास्यययिता गमनयुक्तदयाश्चायन वनमाययिमा
॥ ॐ ॥ गथथययान गनयान युक्तदयाश्चाद्दकाडा नामयुक्ताक्रियाशनवी धनमनयुक्तदयाश्चाद्दकाडा योवसंक्षयादवी
या वनधमोदनकवम् ॥ ॥ गजायययिने गृष्टलवमगांयमदिगनकोयन युतदवीवममर्गं ॥ ॥ गमा ४ स्रहसन वनंहेत्वा २०
वातायनमिष्टिफक्ष ॥ ॐ ॥ गथसूयोदयगजायययिनेन सकृदिष्ट्याप्तमर्गं ययमान सकयनि ॥ ॥ ग्यादिन यमिसानं गीवसक्षयाद
वी वनधमोदन धनसूयोदयगजाया कयान वनदवीन वनसूयंकादावयाहायु वनकाथवयाहानिर्न यनदहाव आसनकुटि

कथं दत्त ॥ ० ॥ अथ यद्वत्त निम्न गच्छति नीममागता आषट्मधुलायं यमिदिनं न कथा विरुक्तं गच्छित्वा दद्यात् रुक्मिणीं दत्तं
यार्कं इव हीमाप्रमथवद्वत्ता वातायनाक्षमिमुनिना ॥ ० ॥ अथ अद्वय धनं वीधममजाया कयात् मयस निम्नवनसमयात्त नि
म्वदवीया स्वादिनी वर धमस्वामिनीन अरुगुहस निर्थ दिनयतिं दुरु राजाकावदयुव धवयानि निम्नदवीयात्त अथ अद्वय
गरुदावसमान अमनिम्नदवीया स्वादिनिं अरुगुहस आवसकावदवीया वनधमोदहसद्वयायाव धवमोदहायुथास आरवता
स वहाडा दहावसान ॥ ० ॥ अतदाकागमदागमवमधुन शटिका जयनक्ति मद्रुमधुन नमस्कारं कृत्वा निम्नवनं प्रस्थागता ॥ ॥

गतः कश्चिद्विदिककृतिना नृणां हारगुरुः ॐ ॥ धर्मेशो वसुधावधौ न विमृतायाः विष्णोः गच्छावसा वृद्धिपूय
 जिथियापूयकृयाव कृयावद्वयसदानधकं धर्मि विमृताया हाहा वसुधावधौ जिथियापूयकृयाव गच्छायाद्वयसदान
 कवित्थश्चवहाव वृत्तद्वीया त्वानिनीसवकल दविमिनि धनवाथाधकं ॥ ० ॥ आगता च विद्वद्विंशत्यायिना ॥ २२
 ॐ धर्मसवगाव धर्मिनीययाव धर्म दृष्टि दृष्ट्यादयका ॥ ० ॥ वृद्धोवाय यविमममवचनन माहमाहानदगन माह
 गृहमयविश वृत्तद्वी मुगमासि यदिनागमासि वामाय ननद्वीया ॥ ॐ ॥ वृद्धिजिथिद्वय कृयाववर्तकविधाहा सुन

शानियाहवत्त वृत्तद्वीयाकभाव सुनमुक्तिमात्रयाधकं गच्छगृहमा डावाहधाम सुवहाव वृत्तद्वीवाथाधकभाडा ॥ ॐ धर्म
 मडावसा आवनयनं शास्यदिवधकभाडा ॥ ० ॥ ॐ ह्याकश्चिद्वि गच्छगृहमाहवा वृत्तद्वी विष्णायिना ध्वीद्विद्वान
 माहमागामद वरतं ह्या त्वविवाचनार्थं गच्छद्वयविष्णुमि ॥ ॐ ॥ धर्मवृद्धिगच्छद्वय त्वानिनिहं गच्छगृहमावहाया वृ
 त्तद्वीयाक ह्याययात दद्वी दमदागानि सुलयावया माहया मामधकभावा सुलयावविवाययाधकडायाधकाव वृद्धिजिथि
 सुन माहिस गच्छद्वयवसवाना ॥ ० ॥ ॐ विवकाश्च द्वीयकाश्च मममाहमागामदननिसुनि कुगुनरुवति विष्णुगवा

दोनदगीय ममाहमागामहन्तु यस्तुयति यद्विनागहानां त्वया हथाद्वनं यययसि॥ ॐ ॥ थनयतिनीयावहहा
 व गानिबुनदवीनधाय दधायधक जगुजिमाथनयानमडय गनजमदिमाथानडायुव मयन ममाक्रमधकं थथम
 हाकाहययाव यनदवीन आवनकासाथोव सदय थथमायाडा कजुजिमा मयधकंभाय थथमायाव यननिहास २३
 हय हयतिनी दुडाहाव ममाजिथि थनमनमहाडा जयनमडांम हननयानसा माथीनथनकावहन नयावनाथिधधकं
 ॥ ० ॥ गनयधवीगहा दददया ममाहमागामह ननवनिदवीयजुहायिकं ॥ हाहाननानिमुनि यथाद्वननायजिक ॥

॥ ॐ ॥ थथयुगानीयनदवीया आह्वादयव यननिवहाडा दद्विजिथिमाहवनधाय दद्विधकं जिमिसमदायानियाय
 जिमासयधकं जिमिसदवीनआह्वादयकावहय थयुधमसद्वानममधकं गायमदायानिन आह्वादयकावहय थथं हाहा
 यिनथनकावहननिधकं ॥ ० ॥ दद्वीवाययकं गवननित्यासि गहामि१ विवाकं कदागनाग ॐ ॥ थथयद्विनिधकं जी
 डाक हयतिनी जवानमयन डानधुका जवनमहाधकं थथमायावभायाव धजिथिरीहायग ० ॥ दद्वीयनययिचिकिर्न य
 नदवीयुयायथानिमुदवीडद्वीवतार्थ गहामि निववनंयायथा ॐ ॥ यनवायवीवममाददवीनयिकनायाक यनदवीनयाय

मयभा आधनिम्वदवी उद्वोदयाकडानधकाडा निम्ववनसश्चनकं विष्णुन॥ ० ॥ चटिआका निना यमिश्चवननविष्णुवना
यं सागभादं उयविष्णुसागभासि विष्णुयय॥ ॐ ॥ धनवीधावसश्चनदवीन निम्वदवीयाचटिनिम्ववनन दचटिनीधकं निम्वद
वी विष्णुययधकं रुवया रुडाहाव निम्वदवीधनवाधधकं धाव॥ ० ॥ लुंमिगुत्वा चटिगत्वा दवी विष्णुयिम दवीनविष्णुयना १४
यं वृद्धिमाधवसुननिम्वमि॥ ॐ ॥ धनवृद्धिजिथियाय रुडाव यमिनीडाडा निम्वदवीयाहवन विष्णुयनायम ददवीहम
हागनि सुलयाविष्णुलताययधुधनडाधधकं वृद्धिजिथिहम अजिसगजद्वयसचान॥ ० ॥ निम्वदवीयाय विष्णुयना

विंविमं दुरुयवरुन विविदितागुमाकावयामि सादरुन उयविष्णुतावकशय॥ ॐ ॥ धनचमिनीन धायाहडाव निम्वदवीनआ
हुदयकर सुधनसुमान दविष्णुनायकधकं अमायाकदुरुदवधकं धयवीधमीदहाडा याहावस उाकावानमाच यूनवा
द निम्वदवीन चटिनिंयाहवनवाच दचिठनीह रुवहाडा अमावृद्धिवाधधकं वाहदयकिडा॥ ० ॥ चटिगत्वा वृद्धिमाग
मासि उयविष्णुता उयविष्णुता लीविष्णुगदिकं रुत्वा निम्वमि विष्णुयनायविष्णुय॥ ॐ ॥ धननिम्वदवीया आकाहडा
व चमिनीवयाडा वृद्धिजिथिवानवय रुधुजिमाह ददविष्णुहनधकं वाहाडा नन यूनवादधमकिथि नजडाहाडा यिथि
अवसश्चनदवी

विद्यालयादावचान् यथ्यचामन वरुधमोदहाउखहन ॥ ० ॥ बुद्धोवाय किंतुनभावाचनिर्गुं ॥ ० ॥ बुद्धिदिधिनकार
हयुमाधकं हनहुधमोवक धययावयाहाधकां ॥ ० ॥ दद्यावाय बुद्धिध्यावभावा वरुमायधोद्यामि ममसज्जसायं अद्य
यार्जनविद्यमकदशीषमनकुर्यं ॥ ० ॥ गृह्णियाहुअन निम्बदवीनधाव हंजुकिमाहुधकं अनयावसधवादवीया वरुधमो ॥ ० ॥
दहाअवाहा अथधिंम सागिनीइयाअवाहा अद्येयार्ममद कवित्रयाहवन अद्येयाउछाहाडा अद्येयाहाडायाहावा ॥ ० ॥
बुद्धोवाय ॥ सत्यमवंसत्यं देहनिम्बयमानिमवभाय बुद्धोपुयीकय दवीययनमिद्युनि अद्येययकयकनि ययिवावसदिननयका

सिक्ता ॐ गवृद्धिदिधिनक्षत्र दत्तिमदवी निश्चयनं सर्वदहमयुगा ममावदुनद्वेज्याहाव एकमनं निश्चयं साका धयुधि
 यमोदहा थकप्रास्तुदयकाडा धक्कवृद्धिदिधिन दिधियायुयतावताव माद्याशिवसध्यादवीया वृयधययावविद्याना॥
 आक्क इक्षयद्विनि यदिवानसाहेनन यकासयाहाडा क्कयविद्याना ॥ ० ॥ कतादवीनां मांरगवनी दद्व आद्यायमा
 नारुत्वा याधोमिपमाद्यादेवद्वनां कयासि ॥ ॐ ॥ धनं वी धक्कक्क निमदवीन धक्कजगवनी शिवसध्यादवी खहाडा
 महाजुप्राय मानवायाडा वसध्यादवीया यादकान अद्वेत्त्यादिनयाहाव मिपन नमस्कावयाहाडायान ॥ ० ॥

शीदद्यावायवसद्वृष्टिर्नरकवदवीद्वर्गानययानि सवकाष्टंगान्नमनिमूकाविद्याकारुवरा ॐ ॥ योवसधाराद
 वींजुहादयकय दमनश्च दहाश्चकं निम्वदवीया कथावजाहावधनं यथयवतलसं दाविदमासनइयममावार्थं दूनध
 ममानेमूकादिं नानावतवकुयष्टिद्विदिं यविमूके कथुजथकाधकं ॥ ० ॥ नदवक्रवनिम्वदद्या सवेलश्रीयाक ॥ २७
 काशुदसवहृय्यामय सायानानि सवहृय्यामय किंकिनीजावयकिमलितायाक ॥ यथासुप्रपवृद्धसिवसवेलश्रीसंय
 लूदाशिन ॥ ८ ॥ निदवीवयसादं दत्ताहवन्मलसखमरुयमां ॥ ॐ ॥ यधनंवीधकनिम्वदवीं समकलश्रीयान प्रयुपि

निम्ववन गुरुगुह सवहृय्यामय उहायामय कय यथमावा यंयमासासन जावयहाव तयथाडा महासासायमानकय ॥
 मादसिगाल्यभावा सा स्वप्नसागाल्यवन जूथं कुरुम क्रमैहावलस खदार्थं समकलश्रीयान धकदवीया वयसादनगदा
 व महासुसायमानकय याव धक निम्वदवीं निम्ववनस महासासनदयाहाव आनंदनकुच ॥ ० ॥ यनयथिडकंमया
 धावनी सुत्तानिदुगुहिशिमामातवा इविदायाविमाकासीनययानि ॥ ॐ ॥ यनवाददर्वं योवसधारादवीन जुहादयकय कगु
 वावली धकमानव मनुश्चन दश नामकाय दहासासन यववसं दाविदयाधिन साकनं कयनूमावीव मुनिगु नवकागिमा

वनमसाविडाधकं निवदवीयाहवनकन ॥ ० ॥ कदाचीनपुत्रिकितानिदद्यानि सायुवन्नि नमसाय नविदथयन्नि दवायाया
 विमारुवन् पुयजावकनयन् महाधनश्चाशुर्कं महाधनामदाकारं संयन्त्रयविवावकेषा ॥ ७ ॥ धनंभी विक्रयो विक्रयथ
 मकिडागु गवधदसम्यनिवाय गायुडागामगायुडाग धर्कंसदहमसाय पुयस्यं गायुडागुवा हवकांधगुवी दयसम्यनि ॥ २१
 म् दवर्तविदधेयाय रुयिडामव धर्कं हवकांधनवाद यक्त्यां याधिनकयाडावाहक याधिनकयमसाय यक्त्यां कायमाया
 मदयावानिडा थक्त्या यगुदायिडा हवकांधनआदिमदयकं कति वा हा आदि समरुहदि यविहर्हथगीडा महाधनवक्तु

य सागवक्तुय समसंयगीवावदयडाधकं ॥ ० ॥ गदयावधवनी कुरुगादयदमाश लतियातिथि जावक्तुयतवाङ्गमासिगु
 समत्तवकशा एतताकनकविश्रुति एतत्तवयाकय ॥ ७ ॥ धनंभी धगुवी वक्तुधमोदनयववसधवसा सादवयदया कुरुय
 क्क लतियाकुरु मालमयाय रुयिडागु रुमसा वदि१ सा थधंमरुमसा वय ददि१ स यक्तमनूययनिसन थगुविवक्तुधमोदनि
 डागुवा एतत्तुन थमरुमसायुडाधकं ॥ ० ॥ ॥ ० ॥ यक्तुधमोदनयववसधवसा सादवयदया कुरुय
 वन थमथथमन आहुदयकाव पुक्तुधमोदनयववसधवसा सादवयदया कुरुय ॥ ० ॥ धनंभी धगुवी वक्तुधमोदनयववसधवसा सादवयदया कुरुय

नानाग्रहदशाप्रमाणं यत्किञ्चिन्नानाग्रहसंज्ञाभिन्नानि यज्ज्ञानस्थितं यथास्तथादि॥ ॐ नित्यद्वयं सप्तकल
 श्रीगणेश महाज्ञानदत्तान् धनित्यवतनद्वयं गार्धियधायसा नानाग्रहकस्त्वानदायाव सूनकसिमादयाव साकायमानद
 यावदाह श्वयुधि नित्यवतनया यत्कवनीस नानास्त्वान यज्ञ इहाव यवज्जुह्यादिं गुपिमे लंख स डत्यकिरुच डविस्त्वानद १७
 व अत्यन्तं सगंध नसाकलत्वनं समस्तनं यशीष्टुह्वायावतान॥ ० नमोभक्त्य गजागृह सृष्टीदय गजायुगवंधवि
 यावेत सर्वज्ञानाप्रयति वृत्तद्वयावगृह्येनधारयति॥ ॐ नमोभक्त्य गजागृह सृष्टीदय गजायुगवंधवि

कथमेदहाडा वादावयसा विशालयान् आदिमकवसं वृत्तसूक्तकादव वृत्तद्वीया वृत्तमकुकां मझाकधर्कं ॥ ० नदयवाचकिं
 वृत्तसूक्त यथाकनं ममवाकलक्ष्मीसकायिकक्ष ॐ नमोभक्त्य गजागृह सृष्टीदय गजायुगवंधवि
 रु हुलयावया गजालक्ष्मीन जगमाकलधर्कं ॥ ० नमोभक्त्य गजागृह सृष्टीदय गजायुगवंधवि
 यासि॥ ॐ नमोभक्त्य गजागृह सृष्टीदय गजायुगवंधवि नित्यद्वीयानकवहायधर्कं ॥ ० नमोभक्त्य
 महायति नित्यवतनं यद्ययति ममवयननलुदागम त्वत्तादिकन इत्येवमथावा वृत्तमावाधयासि॥ ॐ नमोभक्त्य गजागृह सृष्टीदय गजायुगवंधवि

वीया प्राज्ञादका चोनेनीदं दहाव राजगुरुस सादावर धयगिनिदं निम्वदवीयाय सवेदकाक मकाकन धयवाकान
 दहाव राजगुरुस पुथायमानवाल ॥ नमधयदहाव राजाया मनस धलवनहु योइयाव सायधकाकान ॥ • ॥
 निम्ववनेयाक निम्ववने नानाविदिगुयुथाय सासिने युकवनीसगंधवासिना यविदुत्त नानायादिनिककिना राजास ३०
 लिउल सवधुयमथाकिदिनीकालमायुतस सासिनेदमीन ॥ ॐ जथधनिम्ववनेसाथनक राजाडाहायधल धयुगिनि
 म्ववनेदयवगार्थिगुयुथायसा नानाविदिगुयुथायक निह अतगस्थानहायावधं दनधयुकीनीसिअ अथन नाना नमाकनयनय

दयमानन

विदुष्येयावधं दननानाअनक अंगलयदिवनिहा रावधं धयुगिनिम्ववनेया राजगुरुस वयाडाहाया मयदयावधं अनक कि
 दिनिहाव यहाव महासाकायमानदयावधां थार्थिगुनिम्ववने राजानयन ॥ • जतनायकादकुनसकत कथंमहालकी
 यायवा ॥ ॐ जथधराजानयहाव राजानयडाया मरुभंयान थधयविवाहाव राजानयल गायनडाधह लकीधनिम्वदवीन
 गकधकंज • जतकतान विम्वयदिका आदवीनिशादिना तविवालनायंदवीमयितह साकदतमायमयुल दमयासिनल
 कीनवनिज ॥ ॐ जथधराजापुथायमानवायावधन थधयानन राजाडाहायहाव निम्वदवीयायमिनीहन थवदवीयानी

लसुखिजवति महासा च प्रययायुष्ट ॐ जगत्कावर्तनं च न क वचन थश्च वचन निरुदवीया वरुधश्चोदहाया वरुधश्च स्वा
न वाहावकया चोसा वरुधवीन गाथावधान थश्चानगाथाया यायन वरुधवीनकावर्तनं हात्वा लुङ्गन थश्चाल वरुधश्च वरुधश्च
न ० जगत्कावर्तनाकावर्तनं च वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया ॐ वरुधश्चोदहाया ३१
न मसकलाकर्त वरुधवी कावर्तनं च वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया गाथावधान थश्चानगाथाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया
नकावर्तना ० गाथावधान थश्चानगाथाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया

नायकं कर्तुं महासा ॐ जगत्कावर्तनाकावर्तनं च वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया
वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया
वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया
वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया
वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया वरुधश्चोदहाया

वसुधायाय नमः कथयति विगदकाया वसानमावधकं धुनित्वदहाव वृत्तदवीधननंददासदान ॥ ० ॥ नननंदायित्वा यून
 ययिगदकाया वसुधायाय नमः कथयति विगदकाया वसानमावधकं धुनित्वदहाव वृत्तदवीधननंददासदान ॥ ० ॥ नननंदायित्वा यून
 ययिगदकाया वसुधायाय नमः कथयति विगदकाया वसानमावधकं धुनित्वदहाव वृत्तदवीधननंददासदान ॥ ० ॥ नननंदायित्वा यून
 ययिगदकाया वसुधायाय नमः कथयति विगदकाया वसानमावधकं धुनित्वदहाव वृत्तदवीधननंददासदान ॥ ० ॥ नननंदायित्वा यून

यय नननंदायित्वा ॥ ० ॥ नननंदायित्वा यून
 यय नननंदायित्वा ॥ ० ॥ नननंदायित्वा यून
 यय नननंदायित्वा ॥ ० ॥ नननंदायित्वा यून
 यय नननंदायित्वा ॥ ० ॥ नननंदायित्वा यून

कत नयनद्वययुक्तौ क्षात्रे न माननमदृष्टि नवति न युवितात्यवकृतमवयायक्या नवति ॐ जयनंभी अयागानय
 निर्भं श्रीवसधारादवीयान स्नानयावक्याक अर्थं वयार्त्तयलजादाव स्वर्गनकादाववत्यन थथ्वादाववुकदवीनत्यदाव य
 अयागानयतिष्क वृत्तदवीनदन हस्मिताकमसावयातंतयद्यव हूमिभनयनं कादाव डायधकं अयागानयतिभनवाल ३२
 दामिमादान युनममिधधकं श्रीवसधारादवी स्नानयावक्याक अर्थेन अयतिभनधयुविलंत्य कालडाया धयुविलंत्यय
 दाव स्नानयावक धयुविलंत्यस्नानयावधनं युनिडाश्चं डायधववम धयुविलंत्यकायाव मित्यामनिर्यां यिथ थथ्वा

लंत्यनधियामानन युदृष्टि कयुव धयुविलंत्यकादामाकृतं हधुक्तममनिर्भं यादायाध धधियायसमकं मानन इयुवत ० ज
 युल्यक्तायविष्क माननध श्रीवसधारादवी यमत्तामगतां हृष्टा हा गावृददवी त्वविर्त्तुगता श्रीवसधाराया यादकमलवदिता
 हृष्टा यानयतिज सुवान लुत्वा नयमोदादिहागता इहं ज यमिददवीधयोविनयं ममधायामि ॐ जयनंभी अयागान
 यतिभन आरुदका दहाव तायंयुक्तदवीजान थथ्वादाव श्रीवसधारादवीयादिन दवीगानयतिभकशंत्यन थथ्वायाव स्वहा
 व थमत्तुक्तदवीन हता १ सनंडादाव श्रीवसधारादवीया यादकासनमस्कालयाक थथ्वा नमस्कारयादाव त्याया दधाम ह०००

गो. युञ्जद्वायाय समर्पकं कनसेयवत्ता युनयोयायसादनधुका रुधनवया हलुश्रीहदवी युनयायमान युनयमेन रुशवि
 आयमान। निश्चयनंधुगुवी धर्मकनदन ॥ ० ॥ श्रीदशवाचनानि डलुहि डलुहि ममाज्ञायसुदं कवयत्यागता ॥
 गदादृष्टयाययत्ति सप्तकनायतमायकवृष्टाननुसमागता स्वमासादयययनकवामि ॥ ७ ॥ श्रीवसमागदवीन आ ३५
 ह्लादयकव हसनिदहाधकं कयालकासंधाव आश्रयिव हयकदवी युनयावमादृष्टवीहाडादाव गदासुयोदयय
 नृमिन्न दयनिसकवसर्त हयागथयतधर्मोदन धश्चधर्मोदहाधकं गतयुमिसन धर्मोदहावयान धुगुविधमसकवयाव

दुमिस्तुस्वमेमाक्षयदान कनविरवयधकं ॥ ० ॥ गत्याकल्लयुनराय युनदवीमाज्ञायिताहदावीमागोष्टीतनाकानांसदामित
 मास्ति ॥ यथमतनं यस्मिन्निद्वयनसंदज्ञित कनमहायातकन मनेवयुक्तिविनी अर्द्धतिष्ठावयिति दवीमाक्षयितं ॥ ७ ॥
 धर्मोवसमागदवीया आश्रयिदहाव युनवादयुनदवीन युनयायमान हदवीवसयादावलाकयनिसन वयकहनरुडाइ हया
 युक्तिविनी निगुवीदधुमिसन कहावदय गुगुयायायत जयनियुक्तेविनी कयाव त्याहावयानमायधकं थनयुनयावस्क
 युनयायमानधकं धार हदवी धयनितिमह्यानिमोस्तिन विशदकव ॥ ० ॥ श्रीदवीडवाचन दृष्टकल्लानलसनि

नवाति नगिनी शानथोतकलाय युद्धं न हत्वा नयान नल सग्रीवा दति युद्धं न तनमहायातकन युद्धं विष्णो विद्याधरुव
ति ॥ तकाधितारुकि नवाति ॥ ७ ॥ जयौवमश्विनादवीन जया दयक व अमायुर्कोविनी निगुवी युद्धं कलास निम
कयकद अमायानि नक्रन सायथ रुत्वा यु वनवादनयव व स ज्ञानव व स रु ल्वात्वा यथ धनुत्वा यायन आ जत्वा हा ३१
डावानं थथ कन रुन अमायुर्कि नीनीयं स मकी दयुव थुका वरं ॥ ० ॥ मयुन दवीनां युन ययि विज्ञायितं गल्लु क
वन दसित उकन महायातकन अत्रेव निष्ठा मीत ॥ ७ ॥ मयुन वाद युन दवीन श्वर ह दवी द ह्युधरी गल्लु कयति स न
१ हवत वी दन २ नी

कहावदर गुगुशायायन आवकयानि थथवान मावधकं दयायायन धगल्लु क थथवान ॥ ० ॥ मकी दयवा व नय
व नायुण कारि नवति न नाविया सदा विरह सव कलाया नयान किंकि दाययीत्वा स्वयु दनीयस्य तनमहायातकने वति
यति नवदयन नमकि नवति ॥ ७ ॥ जयौवमश्विनादवीन जया दयकल अमायानि युद्धं कलास रु अवि दया व वाद म
ज्ञान विष्ठा स रुतकार मकरं मटि रुति जाकां न कर वाकिन मकरं थव द स द व थुगुशायायन थुका आव गल्लु क मया
न हवत वी दन कलाय रुन अमायति स मकी दयुव ॥ ० ॥ मयुन दवीनां युन ययि विज्ञायितं सवि मुखा दय तने
१ विद्या हा

वकथित कनमहायातकन मयातिशयं ॐ नयूनवादयुक्तदवीनक्षत्र हृदवीहृद्वशी सुविमुक्तनक्षत्र धर्मथथ
 नयावदय पुत्रयायायन आवकथयनमावधक दयायायनध सुविमुक्तनयावधान ० नवीदशवाय ॥ यत्र
 कनवाक्य लो रुवति ॥ ननखितैदवचनं कन दानादिप्रमोदिता याद्यातवचनं कन अननदातन किंयथातवकाशं तनमः ३७
 दयातकन सुविमुक्तनरुवति तवकथितमातनमुक्तिरुवति ॐ नवीवममवादीन आह्लादयकल अमासवि
 मुक्तवृत्तकनम वाक्यलथुका धर्मयामहाहृदवचनं कन दानधर्म ॥ सवननामद स्वादिनं तु गलमरिह आवदान

याहाया सुयथाकनधर्मधर थयुशायायनधुका अमासविमुक्तनक्षत्र हृदवीहृद्वशी सुविमुक्तनक्षत्र मूक्ति इयु
 वधका ० नयूनदवीता यनरयिविज्ञायित दवीदशोकप्रयायिनदृष्टाह सनसिताहकनमहायातकनदखितानिद्या
 न ॐ नयूनवादयुक्तदवीनक्षत्र नवीवममवादीनयाक हन हृद्वशीहृदवी दशाकसवयायिनक्षत्र धर्मकहावदडा पुत्र
 यायायन दयायायन कथयथायिदखिदयावधानमावधक दयायायपुत्रयायय ध्वदशाकसव यायिदयावधान ०
 नयूनवादयादशाक सगतां कमीदशीत ॐ नयूनवीदशाकसवयाक मीव नवीवममवादीन आह्लादयकन ० स

तद्यथा ज्ञात्वा नित्यानां दद्यात् १ शुद्धकृदा नादनागदविद १ कामाग्निश्चायामा योयनाया स यत्नादिना ३ मृदावादादव
 ननदायविक्रं ७ यिमुत्तात्तिवृत्तदकनदयानं २ यावत्तादवना कालाकव इविक्रनं ५ अमानिनयवायादनादय कशानि
 वववनीयन अविद्यादकानमुत्त ६ आयादनिवताद्विमादि ७ मृद्याद्विद्विदिनकवज्ञास १० नतयायायिनहृष्टव १३
 त्मकृत्तं नियाकात्ययत्तं नवकथितानुक्तिनवति ३ ७ अथाथप्रसा दमाकमवयात्त थप्रवानथुका हवृत्तदवीधकं
 मवस्याहायायन थवप्रसात्तमदक १ मवनमवियक दानकायान इविदइयव १ मवयास्तेवायवयान थवममहा काय

मावानंवायुव मकहाकगतनंवायुव ३ रुमत्तकहायायायन इष्टवइयु नगावमाद्विनिव ७ मवयाकहात्त वात्तकहाया यायन
 मिकुवभूव कवदइयु ८ आमावकं मवककयात्त वावविवाया यायन सकवसनं सकयाय ८ जाहाववाहक रुयायाया
 यन डानडाननं राइयु मानमदय ९ मवयायावमदान इवइयु ६ मवयायावमिडावयात्त द्विमादिइयु ७ त्वम
 नं मव्याहाधक वायायायन दीनकवम कताकाय १० थवयायं हवेकतास अमानयात्त थथहनकनकुनं अमायामुक्ति
 इयवधुकाधकं ३ ० न मवइयुत्ताजीवमथावा नियदकितीकृत्य यादीमिवासा निवादिता युतदवीयत्यागतात्त

ॐ धनवीरसंभवादवीरा आद्यादेदोवे दकायहहाव धनवीरवीर योवसधावादवीरियदक्षितायाहाव आदकासनमस्कार
 याहाव यनदवीथवदमसंभोदावरा ० जमासुदवीआकायितं ननसुविमृत्वादयायायिनदकायित्वा कायित्वा
 आगताह सच्चयायिनहमृक्कृत्वा युनदवीस्वदशमागताहनवाववासमियसंयायुदज ॐ जथअविहाववन रस ५०
 वाहाववाह यायियनिरु दुवीवसधावादवीन आआदयकर भूतित्व सववंचुनदवीकन कन सुविमृत्वायमूत्वन स
 कशं यायियनिकथनं कहावकहावडाव धमकचयायियां मुक्तियाहाव युनदवीथवदमडाव थथववन नगवसमिय

अतज ० जमासुयतायुनदवीआगततिज ॐ इतिप्रवनसवाहाववाह गजान युनदवीडावाधकवाततावज ० ज
 वाहावाव नवदुग्धुत्वा जमात्याकायिताह जमात्यामदासचन युनदवीगजगृहमानयज ॐ जथअचुनदवीवीहाव
 वाधकवातमायाव निप्रवनसवाह सुथोदयवाडां निप्रदवी निष्कंवाकृद्दमविष्कत थथविष्कर्मवी वाजानयवमान
 सक्तयनिरुधाय दधमात्यामदियानि मजिस युनदवी वाहाडावाहाव हयविडा दुमिसन मदासत्कालयाहाव वमा
 नुमायाहाव हयविदज ० जमात्यावाव यथाकृतयदव जमात्यायुति सचदतंवावा महता सत्कावन गजगृहह

वृत्तद्वीमानिनाहज ॐ अथविदहाव अमात्यमक्रियनिर्माणं दयवमदागज गायद्वनयाभसन आश्रदक थाथ
 डिमिसनयायधकं धुक्किल्लायाव मुक्कियरुक्कित्त सनसुजनयनिसकयं डाहाव सत्तावयाहाव महामानयाहाडा
 वृत्तद्वी गजगृहसाहज ० अथविदहाव अमात्यमक्रियनिर्माणं दयवमदागज गायद्वनयाभसन आश्रदक थाथ ६६
 मवाअवमानमत्तावकुत्ता कमलविवागादिककुत्ता स्त्रीयतां ॐ अथविदहाव अमात्यमक्रियनिर्माणं दयवमदागज गायद्वनयाभसन आश्रदक थाथ
 सनमत्तावयाहाव कमलविवागादिककुत्ता स्त्रीयतां ॐ अथविदहाव अमात्यमक्रियनिर्माणं दयवमदागज गायद्वनयाभसन आश्रदक थाथ

ॐ गजानाश्रदकयक दयवमदागज गायद्वनयाभसन आश्रदक थाथ ॥ ० ॥ वृत्तद्वीमानिनाहज ॐ अथविदहाव अमात्यमक्रियनिर्माणं दयवमदागज गायद्वनयाभसन आश्रदक थाथ
 वी यमादागजादहंतायपतावतिज ॐ अथविदहाव अमात्यमक्रियनिर्माणं दयवमदागज गायद्वनयाभसन आश्रदक थाथ
 सादनधका कडाया मवयायसावनडायामयधका ० अथविदहाव अमात्यमक्रियनिर्माणं दयवमदागज गायद्वनयाभसन आश्रदक थाथ
 काक्रिययादेवमदशा सत्यनयययासाहज ॐ अथविदहाव अमात्यमक्रियनिर्माणं दयवमदागज गायद्वनयाभसन आश्रदक थाथ
 तडायाववात धनवीदिनडाहमवासी शुक्लनयानज ० अथविदहाव अमात्यमक्रियनिर्माणं दयवमदागज गायद्वनयाभसन आश्रदक थाथ

मृत्तमादिसमायकलनादिमंकीकृतं सच्चिद्व्युत्तमायाध्यामत ॐ त्वत्तन्त्री श्रीवसुधावादेवीया वनधर्मोदनया
 नदिनरुणावतार धववसुधुतदवीन राजायाकः साययान दमदावाकः पुष्पधुयदियसंघनेवयः सादिष्टुका गुपि
 विधिविधानकृत धनदयकायः हलपाले सादिष्टुकादिः अदिमकरमर्तः श्रीवसुधावादेवीया वनधर्मोदनधर्मः ॥ ४७
 सायकावतकरीकाशीनः कदाचोवसुधावास्वयमायाकः सवसावाहस्वनेनाकृतयशयनंकाशति ॐ त्वदवमदावा
 कः धववसुधुतदवीन धववसुधुतदवीन धववसुधुतदवीन धववसुधुतदवीन धववसुधुतदवीन धववसुधुतदवीन धववसुधुतदवीन

वसुधावादेवीयावतिनिरुः स्वर्गमाकृतयदानविश्वविद्यायुधकाधर्मः ॥ ४८ ॥ मृत्तुतिवुतदवीधववर्तसुत्ता राजादिहसर्वक
 नासकृष्णः अष्टाकृतमर्तः सायकावतकरीकाशीनः ॐ त्वत्तन्त्री श्रीवसुधावादेवीया वनधर्मोदनधर्मः ॥ ४९ ॥
 मंजायकावत धववसुधावादेवीया वनधर्मोदनधर्मः ॥ ५० ॥ मंजायकावत धववसुधावादेवीया वनधर्मोदनधर्मः ॥ ५१ ॥
 धववसुधावादेवीया वनधर्मोदनधर्मः ॥ ५२ ॥ मंजायकावत धववसुधावादेवीया वनधर्मोदनधर्मः ॥ ५३ ॥
 दमीतयशः ॥ ५४ ॥ मंजायकावत धववसुधावादेवीया वनधर्मोदनधर्मः ॥ ५५ ॥

धारादवीन ज्ञा दय कर राजायात दमानव दुमिसन दृष्टानतहा खासधर्म दुमिसन क्षयायुवी कृतविशय दृष्टा दुमि
 सन कावधक ॥ ० वतना राजादिसचिनिह जीव सध्या दृष्टा राजा दृष्टले दृष्टातत्वा समं जमन हा जीव सध्यायाया
 दादुकासि रसायु आद्यादिकंदत्वा दृष्टं च ॥ यथादवीय स नारुय कथा कथासित ॐ जयंतरी राजा ॐ आदिन सकर ६३
 सन जीव सध्या दवीवन थश्र सायाव राजाया दृष्टा वददय ज्ञानंद दृष्टाव सकर सन जीव सध्या दवीया यादकास
 ज्ञेययाहाव नमस्कार याहाडा ॐ आयात ह ॐ श्री दृष्टवी गाय हलयावसन वतदवीया दृष्टानतहावदय थश्र की

यानिसन याहाधर्म राजास योदयन जीव सध्या दवीस्का याथनायात ० जयंतरी दृष्टा राजा यरुति सच दनाह व
 तयात दृष्टा दुमिकरुवन नीयं ॥ ॐ गायति वरुधमो श्री दृष्टा ॐ श्री सध्या दय राजा यरुति वरुधमो दका सकर
 वरुधमो सध्या दवीवन यायुति विमान सध्या दवीवन दुमिकरुवन स थकवन कवज ० जयंतरी दृष्टा वरुधमो सध्या दवीवन
 यायित्वा १५ श्री दसनाथ कनयो वराजत सध्या सध्या सध्या यका सध्या ४ सध्या नानंद लाकि सति ॥ ॐ गायंतरी ध
 सध्या दय राजायाकाय राजा यरु दृष्टा दव थरा दय राजायाकाय जीवतरी दृष्टा वरुधमो नामय द्वाकि या संध्या थश्रावस

आरादनीया वरधर्मोत्पत्तिकयासमर्थेन ॥ धर्मोत्पत्तिवशात्त ॥ मत्तमत्तलसकलितं श्रीवराधर्मोत्पत्तिकया
वरधर्मोत्पत्तिकयादाव सत्तममत्तलानन्द्यादाविष्णुकर्तृत्वा ॥ ० ॥ नित्यवर्तमानवराधर्मोत्पत्तिकया वरा
संस्तुते असाधारानन्दिसत्तममत्तलानन्द्यादाविष्णुकर्तृत्वा ॥ ० ॥ नित्यवर्तमानवराधर्मोत्पत्तिकया वरा
दावस्तु ॥ ३ ॥ वराधर्मोत्पत्तिकया वराधर्मोत्पत्तिकया वराधर्मोत्पत्तिकया वराधर्मोत्पत्तिकया ॥ ० ॥ नित्यवर्तमानवराधर्मोत्पत्तिकया वरा

४४

